काम डा० तारा चन्द को सौंपा है और आशा की जाती है कि तीन या चार वर्षों में यह इतिहास लिखा जायेगा ।

श्री राघा रमण : क्या मैं जान सकता हूं कि जो काम डा० तारा चन्द को सौंपा गया है, वह केवल उन्हीं को सौंपा गया है या उनके साथ कोई और भी संगठन या आदमी दिये गये हैं जो कि इस काम में लगेंगे । दूसरे मैं क्या यह भी जान सकता हूं कि जो रिपोर्टें अब तक आप के पास आ चुकी हैं उनमें तमाम स्टेट्स शामिल हैं या कोई स्टेट्स ऐसी भी है जिन्होंने रिपोर्ट नहीं भेजी है ।

डा० का० ला० श्रीमाली : करीब करीब सभी स्टेट्स से आ गई हैं और जैसा मैंने अभी बताया, काफी मसाला इकट्ठा हो गया । अब तो डा० तारा चन्द पर, जो कि इतिहास लिखने वाले हैं, निर्भर करेगा कि उनको कौन सा मसाला और एकत्र करना है । डा० तारा चन्द ने जो सहायता मांगी है उनमें दो सीनियर स्कालर और दो जूनियर स्कालर तथा कुछ क्लेरिकल स्टाफ हैं । फाइनेन्स मिनिस्ट्री से इन की मंजूरी ली जा रही है ।

Shrimati Renuka Ray: May I know how many years this work has already taken?

Dr. K. L. Shrimali: Sir, it was decided in 1952 to set up this Board. The Board's term expired in 1955. Then, later on, some work was done by the National Archives, and the work has now been entrusted to Dr. Tara Chand. Hon. Members would probably realise that this work is of a difficult nature. We really wanted to have a first grade history, and I hope we shall be able to have one with the assistance of Dr Tara Chand.

Shri Thanu Pillai: May I know whether this history would be written on the lines of the Hundred Years of Freedom Struggle film or something different from it?

Dr. K. L. Shrimali: All these details will have to be determined. As far as the period is concerned, as I said, as soon as Dr. Tara Chand has taken over the work I will be able to let the House know about the general details.

Dr. Sushila Nayar: Although a considerable amount of valuable material *has been collected, there is valuable* material still available scattered about in several places, and in some of the places people wish to make that available. What machinery has the Government got to collect that remaining material which may be of considerable value to the historians? That is one question, and if I may be permitted to put a second question, Sir.....

Mr. Speaker: No, no; one at a time. The hon. Member was herself a Speaker.

Dr. K. L. Shrimali: Sir, the Board of Editors which was appointed in 1952 had collected, as I said, all the material that was available. It is possible that some material may still be lying hidden somewhere, and I do hope people will co-operate in making that material available to the historians.

Some hon. Members *rose.*—

Mr. Speaker: We will go to the next question.

Shri Raghunath Singh: This is a very important question, Sir, and I only want to put one supplementary.

Mr. Speaker: I know, each Member has got only one question Shri Bhakt Darshan

गढ़वाल का भूतत्वीय सर्वेक्षण

*१०७८. श्री भक्त दर्शन : क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री ३० अगस्त १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या १३६५ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में गढ़वाल जिले में रूपगंगा नदी की घाटी में गन्धक के भण्डारों की जांच-पड़ताल के संबंध में भारत के भूतत्वीय सर्वेक्षण ने इस बीच क्या कार्यवाही की है;

(ख) यदि हां, तो जांच-पड़ताल का क्या परिणाम निकला;

(ग) यदि अभी तक कोई जांच-पड़ताल नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) यह जांच-पड़ताल संभवतः कब तक पूरी होगी ?

खान और तेल मंत्री (श्री के० डे० मालवीय): (क) से (घ). भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने गढ़वाल जिले में रूपगंगा की घाटी में सुतोल गांव के समीप गंधक के भूभांडारों की शुरुआत की जांच पड़ताल कर ली है। गंधक गांव से लगभग दो मील उत्तर पूर्व में जलमार्ग (gully) में मिट्टी के साथ मिली हुई पीले सबलीमेट (sublimate) के रूप में प्राप्त होती है। इस क्षेत्र में गंधक युक्त हाइड्रोजन निकलती है जिससे गंधक छोटी छोटी मात्रा में इकट्ठी होती जा रही है। गैस शायद कुछ गन्धक के चश्मों से बाहर निकल रही है जिन का स्थान मालूम नहीं है। यह भूभंडार आर्थिक रूप से लाभप्रद दिखाई नहीं देता है लेकिन देश में स्वदेशी गंधक की कमी को ध्यान में रखते हुए भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग का १९५७-५८ के क्षेत्र में कार्य करने के समय में विस्तृत जांच पड़ताल करने का प्रस्ताव है। यदि आवश्यक हुआ तो यह कार्य अगले क्षेत्र में काम करने के समय में भी जारी रखा जायेगा।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमान्, इस विवरण से ज्ञात होता है कि भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग अगले वर्ष और अधिक जांच पड़ताल करने जा रहा है। इस सम्बन्ध में माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देते हुए, क्या मैं यह जान सकता हूं कि चूंकि अक्सर केवल जांच-पड़ताल ही होती रहती है, कुछ वास्तविक कार्य नहीं होता, इसलिये क्या इस सम्बन्ध में कोई ठोस कदम उठाये जायेंगे ?

श्री के० डे० मालवीय : जांच पड़ताल करने के बाद जैसे ही यह मालूम हो जाता है कि इस जांच पड़ताल के बाद अमली कदम उठाये जाने चाहियें, फौरन ही हम इसका फैसला ले लेते हैं। जहां तक गन्धक का सम्बन्ध है, हमारे विभाग को बहुत चिन्ता है कि जहां भी कोई जगह मालूम हो, हम उसकी छानबीन करें। यह जगह दिलचस्पी की मालूम पड़ती है, इसीलिये हमने इस को अपने कार्यक्रम में रक्खा है। जैसे ही कोई और महत्वपूर्ण बात मालूम होगी, हम माननीय सदस्य को इस की सूचना देंगे।

श्री भक्त दर्शन : क्या मैं जान सकता हूं कि चूंकि गन्धक एक बहुत ही मूल्यवान सम्पत्ति है, इसलिये केन्द्रीय सरकार स्वयं इस मामले को अपने हाथ में लेगी या राज्य सरकार से इस बारे में परामर्श करेगी ?

श्री के० डे० मालवीय : जैसे ही हमें कुछ मालूमात हो जायेंगी, हम इस पर फैसला कर लेंगे। मैं माननीय सदस्य से बिल्कुल सहमत हूं कि गन्धक की छान बीन बहुत तत्परता से की जानी चाहिये।

Dugda and Patherdip Coal Washeries

*1079. **Dr. Ram Subhag Singh:** Will the Minister of **Steel, Mines and Fuel** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 448 on the 30th July, 1957 and state the progress made in the setting up of the coal washeries at Dugda and Patherdip?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): Tenders have been called for the washery at Dugda. The last date of receipt of tenders is the 11th of January 1958. Meanwhile preliminary work like acquisition of land, planning the supply of water, planning the railway connections, the township etc., have been taken up. Construction will commence as soon as a contract is concluded for the plant.

Tests on the washability of coals proposed to be washed in Patherdip are now being conducted by the Fuel Research Institute. It is expected that the results of these will be available